༄༅།།བོད་ཀྱི་རིང་བསྲེན་དཔེ་ཆོཾགས་ལྷེ་གནས།།

*Tibetan Buddhist Resource Center*

## Text Scan Input Form - Title Page

| | | | |
|---|---|---|---|
| ***Work:*** | W4PD2187 | ***ImageGroup:*** | I2PD20172 |
| ***LCCN:*** | n/a | ***ISBN:*** | n/a |

| | |
|---|---|
| ***Title:*** | གསུང་འབུམ།  པདྨ་བྱང་ཆུབ་གླིང་པ།<br><br>gsung 'bum/_pad+ma byang chub gling pa/ |
| ***Author:*** | པདྨ་བྱང་ཆུབ་གླིང་པ།<br><br>pad+ma byang chub gling pa/ |
| ***Descriptor:*** | n/a |
| ***Original Publication:*** | n/a;n/a |
| ***Place:*** | [s.l.] |
| ***Publisher:*** | [s.n.] |
| ***Date:*** | [n.d.] |
| ***Volume:*** | 5 |
| ***Total Volumes:*** | 5 |
| ***TBRC Pages:*** | 2 |
| ***Introductory Pages:*** | n/a |
| ***Text Pages:*** | n/a |
| ***Scanning Information:*** | Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, Southwest University of Nationalities, Chengdu, China. |

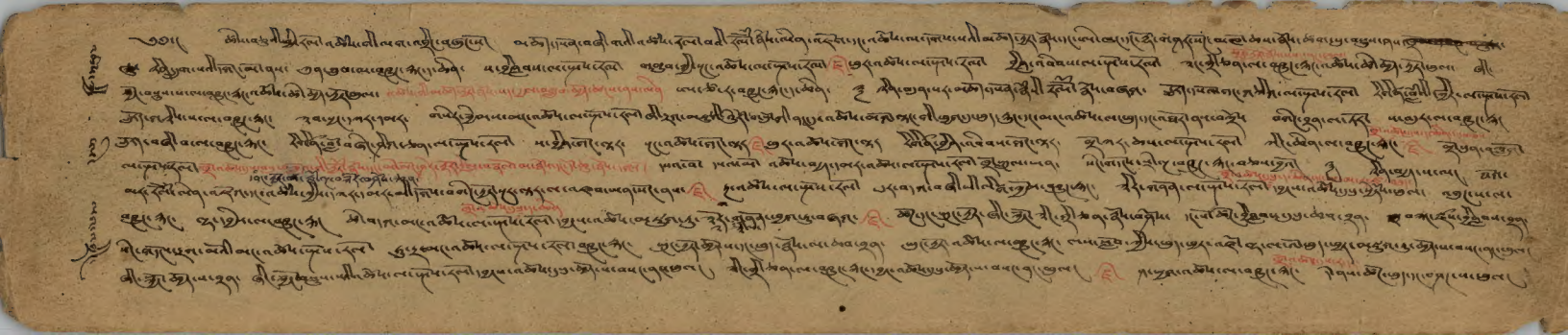

ཀཀ་ཀ་ཀ་

ཀྱི་ཐབས་ཀྱང་ཁོ་ནས་ཐོབ་པ་ཡིན་ཏེ། ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་དག་པ་ཉིད་ཀྱི་ཐབས་ཀྱང་ཁོ་ནས་ཐོབ་པ་ཡིན་ཏེ། དེ་ལྟ་བས་ན་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་དག་པ་ཉིད་ཀྱི་ཐབས་ཀྱང་ཁོ་ནས་ཐོབ་པ་ཡིན་ཏེ། ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་དག་པ་ཉིད་ཀྱི་ཐབས་ཀྱང་ཁོ་ནས་ཐོབ་པ་ཡིན་ཏེ། ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་དག་པ་ཉིད་ཀྱི་ཐབས་ཀྱང་ཁོ་ནས་ཐོབ་པ་ཡིན་ཏེ།

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཐུགས་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ཆེ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཕྱོགས་བཅུ་ན་བཞུགས་པ་ཡི་དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་དགྲ་བཅོམ་པ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཐམས་ཅད་དང་། བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་ཐམས་ཅད་དང་། ཉན་ཐོས་དང་རང་སངས་རྒྱས་ཐམས་ཅད་དང་། འཕགས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་རྒྱུད་ལ་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡོད

ॐ वज्रसत्त्व समयमनुपालय वज्रसत्त्व त्वेनोपतिष्ठ दृढो मे भव सुतोषो मे भव सर्वसिद्धिं मे प्रयच्छ सर्वकर्मसु च मे चित्तं श्रेयः कुरु हूं हा हा हा हो भगवन् सर्वतथागतवज्रमा मुञ्च वज्रभवो महासमयसत्त्व अः

ॐ वज्रसत्त्व समयमनुपालय वज्रसत्त्व त्वेनोपतिष्ठ दृढो मे भव सुतोषो मे भव सर्वसिद्धिं मे प्रयच्छ सर्वकर्मसु च मे चित्तं श्रेयः कुरु हूं हा हा हा हो भगवन् सर्वतथागतवज्रमा मुञ्च वज्रभवो महासमयसत्त्व अः

ॐ वज्रसत्त्व समयमनुपालय वज्रसत्त्व त्वेनोपतिष्ठ दृढो मे भव सुतोषो मे भव सर्वसिद्धिं मे प्रयच्छ सर्वकर्मसु च मे चित्तं श्रेयः कुरु हूं हा हा हा हो भगवन् सर्वतथागतवज्रमा मुञ्च वज्रभवो महासमयसत्त्व अः

ஸ்ரீ: உத்தமபாதாய நம:

ಶಿವಲಿಂಗ ಶಿವಾಯಿಂ ಯಾಯಾಯಂಶಿವಾಯಿಂಯಾಯಾಯಂ ಶಿವಲಿಂಗಸ್ವರೂಪಾಯಿಂಯಂ ಸದ್ಯೋಜಾತಾಯಿಂಯಂ ಶಿವಾಯಿಂ
ಸದ್ಯೋಜಾತಾಯಿಂಯಂ ಶಿವಲಿಂಗಸ್ವರೂಪಾಯಿಂಯಂ ಸದ್ಯೋಜಾತಾಯಿಂಯಂ ಶಿವಾಯಿಂ ಶಿವಲಿಂಗಸ್ವರೂಪಾಯಿಂಯಂ
ಸದ್ಯೋಜಾತಾಯಿಂಯಂ ವಾಮದೇವಾಯಿಂಯಂ ಶಿವಲಿಂಗಸ್ವರೂಪಾಯಿಂಯಂ ಸದ್ಯೋಜಾತಾಯಿಂ ವಾಮದೇವಾಯಿಂಯಂ
ಶಿವಲಿಂಗಸ್ವರೂಪಾಯಿಂಯಂ ಸದ್ಯೋಜಾತಾಯಿಂಯಂ ವಾಮದೇವಾಯಿಂಯಂ ಅಘೋರಾಯಿಂಯಂ ಶಿವಲಿಂಗಸ್ವರೂಪಾಯಿಂಯಂ
ಸದ್ಯೋಜಾತಾಯಿಂಯಂ ವಾಮದೇವಾಯಿಂಯಂ ಅಘೋರಾಯಿಂಯಂ ತತ್ಪುರುಷಾಯಿಂಯಂ ಶಿವಲಿಂಗಸ್ವರೂಪಾಯಿಂಯಂ ಸದ್ಯೋಜಾತಾಯಿಂ
ವಾಮದೇವಾಯಿಂಯಂ ಅಘೋರಾಯಿಂಯಂ ತತ್ಪುರುಷಾಯಿಂಯಂ ಈಶಾನಾಯಿಂಯಂ ಶಿವಲಿಂಗಸ್ವರೂಪಾಯಿಂಯಂ ಸದ್ಯೋಜಾತಾಯಿಂ
ವಾಮದೇವಾಯಿಂಯಂ ಅಘೋರಾಯಿಂಯಂ ತತ್ಪುರುಷಾಯಿಂಯಂ ಈಶಾನಾಯಿಂಯಂ ಶಿವಲಿಂಗಸ್ವರೂಪಾಯಿಂಯಂ ಸದ್ಯೋಜಾತಾಯಿಂ

ལྷ་ཡི་ཐུགས་ཀྱི་ཁྱབ་བདག་ཆེན་པོ་ཡི་ཡུལ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ། ཇི་སྐད་བཤད་པའི་ཐུགས་ཀྱི་ཁྱབ་བདག་ཆེན་པོ་ཡི་ཡུལ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ།
ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཐུགས་ཀྱི་ཁྱབ་བདག་ཆེན་པོ་ཡི་ཡུལ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ། ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཐུགས་ཀྱི་ཁྱབ་བདག་ཆེན་པོ་ཡི་ཡུལ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ།
ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཐུགས་ཀྱི་ཁྱབ་བདག་ཆེན་པོ་ཡི་ཡུལ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ། ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཐུགས་ཀྱི་ཁྱབ་བདག་ཆེན་པོ་ཡི་ཡུལ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ།
ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཐུགས་ཀྱི་ཁྱབ་བདག་ཆེན་པོ་ཡི་ཡུལ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ། ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཐུགས་ཀྱི་ཁྱབ་བདག་ཆེན་པོ་ཡི་ཡུལ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ།

ॐ नमः सर्वज्ञाय सर्वदर्शिने सर्वकर्मक्षयंकराय सर्वसिद्धिदाय
वीतरागाय सर्वज्ञाय त्रैलोक्यनाथाय त्रैलोक्यपूजिताय त्रैलोक्यसारथये
त्रैलोक्यसाक्षिणे त्रैलोक्यवरदाय त्रैलोक्यहिताय त्रैलोक्यविजयिने
त्रैलोक्यभूतभवद्भावि[illegible] त्रैलोक्यविलोकनाय
त्रैलोक्यविस्मयकराय त्रैलोक्यसर्वसत्त्वाभयदाय त्रैलोक्यसर्वसत्त्वानुकम्पिने
त्रैलोक्यसर्वसत्त्वप्रतिबोधकाय त्रैलोक्यसर्वसत्त्वसंजीवनाय
त्रैलोक्यसर्वसत्त्वसंरक्षणाय त्रैलोक्यसर्वसत्त्वसंतर्पकाय
त्रैलोक्यसर्वसत्त्वसंतोषकाय त्रैलोक्यसर्वसत्त्वसंपूरकाय
त्रैलोक्यसर्वसत्त्वसंवर्धकाय त्रैलोक्यसर्वसत्त्वसंपोषकाय

ཨོཾ་ ཨཱཿ ཧཱུྃ་ ཧཱུྃ་ ཧཱུྃ་

३ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ

ꦮꦤ꧀ꦢꦶꦥꦸꦂꦮꦏꦺꦴꦠꦶꦏꦸꦭꦸꦩ

ཨོཾ། ཐུབཔཱདཡཱམཱིཏིཡཱཝནྟཾ། སྤྱིཏཱཏཱིཏཱནཱགཏཱ། ཏྲིཡཱདྷྭཀཱཔྲཏིཥྛིཏཱཿ
ཐིཡཱཝཏཱཡཱིཏཱཡཱཏཱཡུཥཱཡཱཔཱིཏཱཡཾ། ཏིཥྛཏྱེཏཱཡཱཏཱཡཱཏཱཡཱཏཱཡཾ། སྤྱིཏཱཏཱིཏཱ། ཝཱཏཱཡཱཝཱ
ཏཱཡཱཏཱཡཱཏཱཡཱཏཱཡཱཏཱཡཱཏཱཡཾ། ཝཱཏྱཡཱཏཱཡཱཏཱཡཱཏཱཡཱཏཱཡཾ། ཏཱཡཱཏཱཡཱཏཱཡཱཏཱཡཱཏཱཡཾ། སྤྱིཏཱཏཱིཏཱ།
ཡཱཏཱཡཱཏཱཡཱཏཱཡཱཏཱཡཱཏཱཡཾ། ཝཱཏཱཡཱཏཱཡཱཏཱཡཱཏཱཡཱཏཱཡཾ། སྤྱིཏཱཏཱིཏཱནཱགཏཱ། ཏྲིཡཱདྷྭཀཱཔྲཏིཥྛིཏཱཿ
ཐིཡཱཝཏཱཡཱིཏཱཡཱཏཱཡུཥཱཡཱཔཱིཏཱཡཾ། ཏིཥྛཏྱེཏཱཡཱཏཱཡཱཏཱཡཾ། སྤྱིཏཱཏཱིཏཱ། ཝཱཏཱཡཱཝཱ

ॐ

ॐ नमः सर्वज्ञाय तस्मै भगवते नमोऽस्तु बुद्धाय तथागताय अर्हते सम्यक्संबुद्धाय
सुगताय लोकविदे अनुत्तरपुरुषदमसारथये शास्त्रे देवमनुष्याणां बुद्धाय भगवते नमः
तद्यथा ओं विशुद्धे विशुद्धे महाविशुद्धे असमसमसंक्रान्तगतिसमन्तावभासस्फरणसमन्तरश्मिप्रतिमण्डिते
स्वाहा ओं विशुद्धे विशुद्धे महाविशुद्धे समन्तावभासस्फरणरश्मिप्रतिमण्डिते स्वाहा ओं विशुद्धे
विशुद्धे महाविशुद्धे असमसमसंक्रान्तगतिसमन्तावभासस्फरणसमन्तरश्मिप्रतिमण्डिते स्वाहा

ಶ್ರೀಮದ್ಭಾಗವತಪುರಾಣಮ್ ಅಥ ಪ್ರಥಮಸ್ಕಂಧಃ ಪ್ರಥಮೋಽಧ್ಯಾಯಃ

ಜನ್ಮಾದ್ಯಸ್ಯ ಯತೋಽನ್ವಯಾದಿತರತಶ್ಚಾರ್ಥೇಷ್ವಭಿಜ್ಞಃ ಸ್ವರಾಟ್
ತೇನೇ ಬ್ರಹ್ಮ ಹೃದಾ ಯ ಆದಿಕವಯೇ ಮುಹ್ಯಂತಿ ಯತ್ಸೂರಯಃ
ತೇಜೋವಾರಿಮೃದಾಂ ಯಥಾ ವಿನಿಮಯೋ ಯತ್ರ ತ್ರಿಸರ್ಗೋಽಮೃಷಾ
ಧಾಮ್ನಾ ಸ್ವೇನ ಸದಾ ನಿರಸ್ತಕುಹಕಂ ಸತ್ಯಂ ಪರಂ ಧೀಮಹಿ ೧

ಧರ್ಮಃ ಪ್ರೋಜ್ಝಿತಕೈತವೋಽತ್ರ ಪರಮೋ ನಿರ್ಮತ್ಸರಾಣಾಂ ಸತಾಂ
ವೇದ್ಯಂ ವಾಸ್ತವಮತ್ರ ವಸ್ತು ಶಿವದಂ ತಾಪತ್ರಯೋನ್ಮೂಲನಂ
ಶ್ರೀಮದ್ಭಾಗವತೇ ಮಹಾಮುನಿಕೃತೇ ಕಿಂ ವಾ ಪರೈರೀಶ್ವರಃ
ಸದ್ಯೋ ಹೃದ್ಯವರುಧ್ಯತೇಽತ್ರ ಕೃತಿಭಿಃ ಶುಶ್ರೂಷುಭಿಸ್ತತ್ಕ್ಷಣಾತ್ ೨

ನೈಮಿಷೇಽನಿಮಿಷಕ್ಷೇತ್ರೇ ಋಷಯಃ ಶೌನಕಾದಯಃ
ಸತ್ರಂ ಸ್ವರ್ಗಾಯ ಲೋಕಾಯ ಸಹಸ್ರಸಮಮಾಸತ ೩

ತೇ ಕದಾಚಿತ್ತಪೋನಿಷ್ಠಾಂ ಸೂತಂ ಪೌರಾಣಿಕೋತ್ತಮಂ
ಪಪ್ರಚ್ಛುರಿದಮೇವೈತೇ ಸಂಸ್ಮರಂತೋ ಮಹದ್ಯಶಃ ೪

ಋಷಯ ಊಚುಃ

ತ್ವಯಾ ಖಲು ಪುರಾಣಾನಿ ಸೇತಿಹಾಸಾನ್ಯನೇಕಶಃ
ಆಖ್ಯಾತಾನ್ಯಪ್ಯಧೀತಾನಿ ಧರ್ಮಶಾಸ್ತ್ರಾಣಿ ಯಾನ್ಯುತ ೫

ಯಾನಿ ವೇದವಿದಾಂ ವರ್ಯ ಆಚಷ್ಟೇ ಭಗವಾನೃಷಿಃ
ಸರ್ವಾಣಿ ತಾನಿ ಭದ್ರಂ ತೇ ಸೂತ ನೋ ವಕ್ತುಮರ್ಹಸಿ ೬

ಕಸ್ಮಿನ್ಯುಗೇ ಪ್ರವೃತ್ತೇಯಂ ಸ್ಥಾನತಃ ಕಿಂ ಕುತೋಭವತ್
ಕಿಂ ಕಲ್ಪಾಂತರಿತಾಂ ಸಾಧೋ ಸಂಸ್ಥಾಂ ಕಿಂ ವಾ ಬಭೌ ಸತೀ ೭

ಕಸ್ಯಾಂ ಕಸ್ಯಾಂ ಚ ಕಸ್ಮಾಚ್ಚ ಹೇತೋರಭವದಾಹೃತಿಃ
ಸೂತ ಜಾತಸ್ಯ ಕಸ್ಯಾಸೀದ್ಯಸ್ಯಾಸೀದ್ಯತ್ಕಿಮಾತ್ಮಕಂ ೮

ಕಿಂ ಬಲಾಃ ಕಿಂ ಸ್ವಿದಾಹಾರಾ ಆಸನ್ಕಿಂ ಚ ಕುಲಂ ಕೃತಂ
ಕಿಂ ಚಾಪಿ ಭಗವಾನ್ಕಲ್ಕೋ ಧರ್ಮಂ ಕೇನಾಭ್ಯರಕ್ಷತ ೯

ಕಥಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ಪೃಥಿವೀ ಕಿಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ತಯಾ ಸಹ
ಕಥಂ ಸಮಭವತ್ಸಂಧ್ಯಾ ಕಿಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ತಯಾ ಸಹ ೧೦

ಕಥಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ಪೃಥಿವೀ ಕಿಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ತಯಾ ಸಹ
ಕಥಂ ಸಮಭವತ್ಸಂಧ್ಯಾ ಕಿಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ತಯಾ ಸಹ ೧೧

ಕಥಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ಪೃಥಿವೀ ಕಿಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ತಯಾ ಸಹ
ಕಥಂ ಸಮಭವತ್ಸಂಧ್ಯಾ ಕಿಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ತಯಾ ಸಹ ೧೨

ಕಥಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ಪೃಥಿವೀ ಕಿಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ತಯಾ ಸಹ
ಕಥಂ ಸಮಭವತ್ಸಂಧ್ಯಾ ಕಿಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ತಯಾ ಸಹ ೧೩

ಕಥಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ಪೃಥಿವೀ ಕಿಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ತಯಾ ಸಹ
ಕಥಂ ಸಮಭವತ್ಸಂಧ್ಯಾ ಕಿಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ತಯಾ ಸಹ ೧೪

ಕಥಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ಪೃಥಿವೀ ಕಿಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ತಯಾ ಸಹ
ಕಥಂ ಸಮಭವತ್ಸಂಧ್ಯಾ ಕಿಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ತಯಾ ಸಹ ೧೫

ಕಥಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ಪೃಥಿವೀ ಕಿಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ತಯಾ ಸಹ
ಕಥಂ ಸಮಭವತ್ಸಂಧ್ಯಾ ಕಿಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ತಯಾ ಸಹ ೧೬

ಕಥಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ಪೃಥಿವೀ ಕಿಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ತಯಾ ಸಹ
ಕಥಂ ಸಮಭವತ್ಸಂಧ್ಯಾ ಕಿಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ತಯಾ ಸಹ ೧೭

ಕಥಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ಪೃಥಿವೀ ಕಿಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ತಯಾ ಸಹ
ಕಥಂ ಸಮಭವತ್ಸಂಧ್ಯಾ ಕಿಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ತಯಾ ಸಹ ೧೮

ಕಥಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ಪೃಥಿವೀ ಕಿಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ತಯಾ ಸಹ
ಕಥಂ ಸಮಭವತ್ಸಂಧ್ಯಾ ಕಿಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ತಯಾ ಸಹ ೧೯

ಕಥಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ಪೃಥಿವೀ ಕಿಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ತಯಾ ಸಹ
ಕಥಂ ಸಮಭವತ್ಸಂಧ್ಯಾ ಕಿಂ ಸ್ವಿದಾಸೀತ್ತಯಾ ಸಹ ೨೦

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭାଗବତମହାପୁରାଣେ ଦଶମସ୍କନ୍ଧେ ପୂର୍ବାର୍ଦ୍ଧେ ଷଷ୍ଠୋଽଧ୍ୟାୟଃ ॥ ୬ ॥

ଶ୍ରୀଶୁକ ଉବାଚ ।
ଏବଂ ବ୍ରଜସ୍ତ୍ରିୟୋ ରାଜନ୍ କୃଷ୍ଣଲୀଲାନୁଗାୟତୀଃ ।
ରେମିରେ ରମଣସ୍ତାସୁ ରମାଭିର୍ଭଗବାନ୍ ରମଃ ॥ ୧ ॥
ତାସାଂ ବିହାରଗୀତାନି ନିଶାମ୍ୟ ଯଦୁପୁଙ୍ଗବଃ ।
ଜଗୁର୍ଯଶୋଦା ଦେବକୀ ରୋହିଣୀ ଚ ତଦୁଚିତାନି ॥ ୨ ॥
ଯଶୋଦା ଲାଲୟାମାସ ତାଂ ତାଂ ବାଲ୍ୟକ୍ରିୟାଂ ପ୍ରଭୋଃ ।
ଦେବକୀ ରୋହିଣୀ ଚାସାଂ ବିଦିତା ଶେଷଯୋଷିତାମ୍ ॥ ୩ ॥
ଗୋପ୍ୟଃ ପୁତ୍ରେଷୁ ତାଂ ତାଂ ଚ ଲୀଲାଂ ଗୋପ୍ୟାଂ ଚ ଗୋପକାଃ ।
ଆତ୍ମଜେଷୁ ତଦୈକ୍ୟେନ ଭଗବତ୍ୟାପ୍ତଚେତସଃ ॥ ୪ ॥
ଗୋପ୍ୟଃ କୃଷ୍ଣେ ଜଗତ୍ପ୍ରାଣେ ନିର୍ମୁକ୍ତମନସୋଽଖିଲାଃ ।
ଆତ୍ମାନଂ ତନ୍ମୟଂ ବିଦ୍ୟୁର୍ନାନାମତିବିମୋହିତାଃ ॥ ୫ ॥
ଗୋପ୍ୟଃ କିମକରୋଦ୍ଯଜ୍ଞଂ ଯଶୋଦାତିବଲା ଅମୁମ୍ ।
ଯା ଲେଭେ ପରମାନନ୍ଦଂ କୃଷ୍ଣମାତ୍ମାନମୀଶ୍ୱରମ୍ ॥ ୬ ॥
ନନ୍ଦଃ କିମକରୋଦ୍ବ୍ରହ୍ମନ୍ କଲ୍ୟାଣୀ ବହୁସୁବର୍ଣକମ୍ ।
ଯଦୈକଂ ପୁରୁଷଂ ଲୋକଂ ସତ୍ୟଂ ସମ୍ପୂର୍ଣମୀଯିବାନ୍ ॥ ୭ ॥
ଗୋପ୍ୟସ୍ତପୋ ବ୍ୟଧୁର୍ଯଦୁରପାରମପାବୃତମ୍ ।
ହରିମୀଡ୍ୟଂ ଗତା ଭକ୍ତ୍ୟା ଗୋପାସ୍ତୁ ତଦନୁବ୍ରତାଃ ॥ ୮ ॥
ଇତ୍ଥଂ ସତାଂ ବ୍ରହ୍ମସୁଖାନୁଭୂତ୍ୟା
ଦାସ୍ୟଂ ଗତାନାଂ ପରଦୈବତେନ ।
ମାୟାଶ୍ରିତାନାଂ ନରଦାରକେଣ
ସାକଂ ବିଜହ୍ରେ କୃତପୁଣ୍ୟପୁଞ୍ଜାଃ ॥ ୯ ॥
ବିକ୍ରୀଡିତଂ ବ୍ରଜବଧୂଭିରିଦଞ୍ଚ ବିଷ୍ଣୋଃ
ଶ୍ରଦ୍ଧାନ୍ୱିତୋଽନୁଶୃଣୁୟାଦଥ ବର୍ଣୟେଦ୍ଯଃ ।
ଭକ୍ତିଂ ପରାଂ ଭଗବତି ପ୍ରତିଲଭ୍ୟ କାମଂ
ହୃଦ୍ରୋଗମାଶ୍ୱପହିନୋତ୍ୟଚିରେଣ ଧୀରଃ ॥ ୧୦ ॥

ଇତି ଶ୍ରୀମଦ୍ଭାଗବତମହାପୁରାଣେ ପାରମହଂସ୍ୟାଂ ସଂହିତାୟାଂ ବୈୟାସିକ୍ୟାଂ ଦଶମସ୍କନ୍ଧେ ପୂର୍ବାର୍ଦ୍ଧେ ରାସକ୍ରୀଡାୟାଂ ଷଷ୍ଠୋଽଧ୍ୟାୟଃ ॥ ୬ ॥

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིས་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི

ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡིན་ཞིང་། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་མིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡིན་ཞིང་མིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡིན་ཡང་མིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་མིན་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡིན་ཡང་མིན་ཞིང་། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་མིན་ཡང་ཡིན་ཞིང་། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཞིང་། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཞིང་། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཞིང་། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཞིང་། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཞིང་། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཞིང་། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཞིང་། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཞིང་། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཞིང་། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཞིང་། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཞིང་། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡིན་ཡང་མིན་ཡང་ཡ

ཨཱཿ ཨཱཿ ཨཱཿ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཧཱུྃ་

ꣳ ꣳ ꣳ

ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་ཙིཏྟེན་ཡཾ་ཀིཉྩི་ཀམྨཾ་པཀཏཾ་མེ་ཨཔྤཊིཝིདིཏཾ་ཏསྶ་སབྦསྶ་ཨཱཡཏིཾ་སཾཝརཱཡ་ཁཱནཱཡ་ཝིགམཱཡ་ཨཔྤཊིཀཱརཱཡ་ཨནཱཝརཎཏཱཡ་ཨནཱཙཱརཱཡ་ཨནཱཛཱིཝཱཡ་ཨཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་ཙིཏྟེན་ཡཾ་ཀིཉྩི་ཀམྨཾ་པཀཏཾ་མེ་ཨཔྤཊིཝིདིཏཾ་ཏསྶ་སབྦསྶ་ཨཱཡཏིཾ་སཾཝརཱཡ་ཁཱནཱཡ་ཝིགམཱཡ་ཨཔྤཊིཀཱརཱཡ་ཨནཱཝརཎཏཱཡ་ཨནཱཙཱརཱཡ་ཨནཱཛཱིཝཱཡ་ཨཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་ཙིཏྟེན་ཡཾ་ཀིཉྩི་ཀམྨཾ་པཀཏཾ་མེ་ཨཔྤཊིཝིདིཏཾ་ཏསྶ་སབྦསྶ་ཨཱཡཏིཾ་སཾཝརཱཡ་ཁཱནཱཡ་ཝིགམཱཡ་ཨཔྤཊིཀཱརཱཡ་ཨནཱཝརཎཏཱཡ་ཨནཱཙཱརཱཡ་ཨནཱཛཱིཝཱཡ་ཨཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་ཙིཏྟེན་ཡཾ་ཀིཉྩི་ཀམྨཾ་པཀཏཾ་མེ་ཨཔྤཊིཝིདིཏཾ་ཏསྶ་སབྦསྶ་ཨཱཡཏིཾ་སཾཝརཱཡ་ཁཱནཱཡ་ཝིགམཱཡ་ཨཔྤཊིཀཱརཱཡ་ཨནཱཝརཎཏཱཡ་ཨནཱཙཱརཱཡ་ཨནཱཛཱིཝཱཡ་

ཨཱཿཨཱཿཨཱཿ

ཡིན་ཏེ། ཐོག་མ་ཡང་ཡོད་པ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་རོ། །ཐོག་མ་ཡང་ཡོད་པ་ཉིད་ཀྱི་ཕྱིར་རོ་ཞེས་བྱ་བ་ནི་

ཨོཾ ཨོཾ ཨོཾ

॥ ७ ॥

ཀ་ ཁ་ ཁ་ ཁ

ཤ།

ཤ།

ཤ།

ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཙཱ་མ་ནོ་བུ་དྷ་ཡ་ཨ་ནུ་ཏྟ་ར་ཡཱ་ཡ་ཏ་

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡུལ་ན་ཡོད་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡང་ཐུགས་ཀྱི་ཁྱད་པར་ཅུང་ཟད་ཀྱང་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཡིན་ཏེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकालाय त्रिपुरान्तकाय त्रैलोक्यरक्षणाय महाभैरवाय नमः ॐ हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते महाकालाय महाकालरूपिणे सर्वभूतभयंकराय सर्वभूतविनाशकाय सर्वभूतरक्षणाय सर्वभूतवशंकराय सर्वभूतसंहारकाय सर्वभूतोच्चाटनाय सर्वभूतविद्रावणाय सर्वभूतविमर्दनाय सर्वभूतविध्वंसनाय सर्वभूतविमोहनाय सर्वभूतविमोक्षणाय सर्वभूतविषनाशनाय सर्वभूतविषहरणाय सर्वभूतविषनिवारणाय सर्वभूतविषनिर्मूलनाय सर्वभूतविषनिर्हरणाय सर्वभूतविषनिर्दहनाय सर्वभूतविषनिर्नाशनाय सर्वभूतविषनिर्मथनाय सर्वभूतविषनिर्मर्दनाय सर्वभूतविषनिर्विनाशनाय सर्वभूतविषनिर्विषाय सर्वभूतविषनिर्विषीकरणाय सर्वभूतविषनिर्विषीकृता

ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཙཱ་ཡ་

ཀཀ ཀ ཀ

ཀུ་ཤ་ཀ་ཤ་ཀ་ཤ་ཀ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ

ooooooooo ooooooooo ooooooo ooooo ooooo 

૦૦૦

ooo ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥଦେବଙ୍କ ଶ୍ରୀଅଙ୍ଗରେ ଯେଉଁ ଅଳଙ୍କାର ଥାଏ ତାହାର ବିବରଣ ଏହି ପୁସ୍ତକରେ ଲିଖିତ ହୋଇଛି ooo

ଏହି ପୁସ୍ତକଟି ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥଦେବଙ୍କ ଶ୍ରୀଅଙ୍ଗରେ ଯେଉଁ ଅଳଙ୍କାର ଥାଏ ତାହାର ବିବରଣ ଅଟେ ooo

ଏହି ପୁସ୍ତକଟି ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥଦେବଙ୍କ ଶ୍ରୀଅଙ୍ଗରେ ଯେଉଁ ଅଳଙ୍କାର ଥାଏ ତାହାର ବିବରଣ ଅଟେ ooo

૦૦૦૦૦૦૦ ૦૦૦૦૦૦૦ ૦૦૦૦૦૦૦ 

ཀ ཁ ག གྷ ང
ཅ ཆ ཇ ཛྷ ཉ
ཏ ཐ ད དྷ ན
པ ཕ བ བྷ མ
ཙ ཚ ཛ ཛྷ ཝ
ཞ ཟ འ ཡ ར
ལ ཤ ཥ ས ཧ
ཨ ཀྵ ཏྲ ཛྙ

ઉપરનો નકશો ગોતવાની રીત આપણે જોઈ. હવે તે નકશાને ઉપયોગમાં કેવી રીતે લેવો તે જોઈએ. નકશાની ઉપર જે ચોપડીઓ લખેલી છે તે ચોપડીઓ જે જે ગામોમાં વેચાતી હોય તે ગામોનાં નામ નકશામાં ઠેકાણે ઠેકાણે લખેલાં છે. જે ગામમાં જે ચોપડી વેચાતી હોય તે ગામ આગળ તે ચોપડીની સામે ટપકું કરેલું છે. જેમકે ભાનકોટમાં ૦૦૦૦૦૦૦ એ ચોપડીઓ વેચાય છે. તેથી નકશામાં ભાનકોટ આગળ ૭ ટપકાં કરેલાં છે. એ જ પ્રમાણે બીજાં ગામોને માટે સમજવું. ભાનકોટમાં ૦૦૦૦૦૦૦ એ ચોપડીઓ વેચાય છે. તેથી નકશામાં ભાનકોટ આગળ ૭ ટપકાં કરેલાં છે. એ જ પ્રમાણે બીજાં ગામોને માટે સમજવું. ભાનકોટમાં ૦૦૦૦૦૦૦ એ ચોપડીઓ વેચાય છે. તેથી નકશામાં ભાનકોટ આગળ ૭ ટપકાં કરેલાં છે. એ જ પ્રમાણે બીજાં ગામોને માટે સમજવું. ભાનકોટમાં ૦૦૦૦૦૦૦ એ ચોપડીઓ વેચાય છે. તેથી નકશામાં ભાનકોટ આગળ ૭ ટપકાં કરેલાં છે. એ જ પ્રમાણે બીજાં ગામોને માટે સમજવું.

ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཏུ་ལྱ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཨ་ནཱ་ཝ་ཏ

ཀཀ ཀཀཀ

# ཨཱ ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་བཛྲ་གུ་རུ་པདྨ་སིདྡྷི་ཧཱུྃ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་བཛྲ་གུ་རུ་པདྨ་སིདྡྷི་ཧཱུྃ

ꣳ ꣳ ꣳ

ની કુલ્લ્લ્લ

૦૦૦

ལས་ཀྱི་ནགལ་ལོ། ཅིག་ཅིག་ཤེས་པ་ཡིས་ཀྱང་ཡོངས་སུ་ཤེས་པར་བྱའོ། ལས་ཀྱི་ནགལ་ལོ། ཅིག་ཅིག་ཤེས་པ་ཡིས་ཀྱང་ཡོངས་སུ་ཤེས་པར་བྱའོ། ལས་ཀྱི་ནགལ་ལོ།

ཅིག་ཅིག་ཤེས་པ་ཡིས་ཀྱང་ཡོངས་སུ་ཤེས་པར་བྱའོ། ལས་ཀྱི་ནགལ་ལོ། ཅིག་ཅིག་ཤེས་པ་ཡིས་ཀྱང་ཡོངས་སུ་ཤེས་པར་བྱའོ། ལས་ཀྱི་ནགལ་ལོ།

ཅིག་ཅིག་ཤེས་པ་ཡིས་ཀྱང་ཡོངས་སུ་ཤེས་པར་བྱའོ། ལས་ཀྱི་ནགལ་ལོ། ཅིག་ཅིག་ཤེས་པ་ཡིས་ཀྱང་ཡོངས་སུ་ཤེས་པར་བྱའོ། ལས་ཀྱི་ནགལ་ལོ།

ཅིག་ཅིག་ཤེས་པ་ཡིས་ཀྱང་ཡོངས་སུ་ཤེས་པར་བྱའོ། ལས་ཀྱི་ནགལ་ལོ། ཅིག་ཅིག་ཤེས་པ་ཡིས་ཀྱང་ཡོངས་སུ་ཤེས་པར་བྱའོ། ལས་ཀྱི་ནགལ་ལོ།

ꠀ ꠀꠀꠀ ꠀ ꠀꠀꠀꠀꠀ ꠀꠀ

ཐུབ་པའི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ནོ། ། ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ནི་

ཀ་ཁ་ག་ང་ཅ་ཆ་ཇ་ཉ་ཏ་ཐ་ད་ན་པ་ཕ་བ་མ་ཙ་ཚ་ཛ་ཝ་ཞ་ཟ་འ་ཡ་ར་ལ་ཤ་ས་ཧ་ཨ་ཀྵ་ཏྲ་ཛྙ་

ཀུ་ཀེ་ཤི་ཤི་ཡ་ཀུ་ཤ་ཡ

ཞེས་པ། ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་

ཀཀ

ཀཀ ཀཀཀཀཀ ཀཀ ཀཀཀཀཀ

ઉપરોક્ત ૦૦૦૦૦૦ ગામના ૦૦૦૦૦૦ ની ખેડવાણ હકીકત ૦૦૦૦૦૦ ગામના ૦૦૦૦૦૦ ની ખેડવાણ હકીકત

ઉપરોક્ત ૦૦૦૦૦૦ ગામના ૦૦૦૦૦૦ ની ખેડવાણ હકીકત ૦૦૦૦૦૦ ગામના ૦૦૦૦૦૦ ની ખેડવાણ હકીકત

ઇતિ શ્રી ૦૦૦૦૦૦ ૦૦૦૦૦૦ ૦૦૦૦૦૦

0000 વસ્તીનાં બીજાનું 00 00 ગામનાં 000000 000000 ગામનું

0000 વસ્તીનાં બીજાનું 0000 0000 0000 વસ્તીનાં બીજાનું 0000 0000

0000 વસ્તીનાં બીજાનું 0000 0000 0000 વસ્તીનાં બીજાનું 0000 0000

00 00 વસ્તીનાં બીજાનું 0000 0000 0000 0000 વસ્તીનાં બીજાનું 00 00

ગામનું 000 વસ્તી ગામનું વસ્તીનાં બીજાનું વસ્તીનાં બીજાનું વસ્તીનાં બીજાનું

૦૦૦૦ ખાખરાની વસ્તીમાંથી ૦૦૦૦૦૦૦૦ કુલમાંથી ૦૦૦૦૦૦૦૦૦ ઘરમાંથી ૦૦૦૦૦૦૦ ઢોરમાંથી ૦૦૦૦૦૦૦ ઝાડમાંથી ૦૦૦૦૦૦૦ કુલમાંથી ૦૦૦૦૦૦૦

ઉપાસકદશાંગસૂત્રે ૦ ૦૦૦ ૦૦૦ ૦૦૦ ૦ ૦૦૦૦૦૦૦૦૦ ૦૦૦૦૦૦૦૦૦

oooooo

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་རྡུལ་ཙམ་ཞིང་ཁམས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐ་དུ་ཡོད་པ

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་ཙིཏྟེན་ཡཾ་ཀིཉྩི་ཀུསལཾ་ཀཏཾ།

ཏཾ་སབྦཾ་ཨཱཡུསཾ་ཏཱཡ་ཨཱཡུསཾ་ཨཱཡུ་ཨཱཡུསཾ་ཏཱཡ།

ཨཱཡུ་ཨཱཡུསཾ་ཏཱཡ

ཀཀ

ཐིབས་ཀྱི་ཐུན་ཚོད་ཅིག་ལགས། ཁྱོད་ཀྱི་ཐུན་ཚོད་ཅིག་ལགས། གཅིག་གིས་གཅིག་ལ་ཁྱོད་ཀྱི་ཐུན་ཚོད་ཅིག་ལགས་ཞེས་ཟེར་བ་ཡིན་ནོ། ཁྱོད་ཀྱི་ཐུན་ཚོད་ཅིག་ལགས་ཞེས་ཟེར་བ་ཡིན་ནོ། ལས་ཀྱི་གཞལ་ཡས་ཁང་ཁྱོད་ཀྱི་ཐུན་ཚོད་ཅིག་ལགས། ཁྱོད་ཀྱི་ཐུན་ཚོད་ཅིག་ལགས། ཐིབས་ཀྱི་ཐུན་ཚོད་ཅིག་ལགས། ཁྱོད་ཀྱི་ཐུན་ཚོད་ཅིག་ལགས།

ཀཀ། ཅིག་ཤེས་རིག་ཏུ་ཡང་ཡང་སྐྱེ་བ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཤེས་རིག་ཏུ་ཡང་ཡང་སྐྱེ་བ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་
ཤེས་རིག་ཏུ་ཡང་ཡང་སྐྱེ་བ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཤེས་རིག་ཏུ་ཡང་ཡང་སྐྱེ་བ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་
ཤེས་རིག་ཏུ་ཡང་ཡང་སྐྱེ་བ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཤེས་རིག་ཏུ་ཡང་ཡང་སྐྱེ་བ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་
ཤེས་རིག་ཏུ་ཡང་ཡང་སྐྱེ་བ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་ཤེས་རིག་ཏུ་ཡང་ཡང་སྐྱེ་བ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱང་

ཐུབ་པའི་རྒྱལ་ཚབ་ཀྱི་ཐོག་ནས་ཀྱང་། ཐུབ་པའི་རྒྱལ་ཚབ་ཀྱི་ཐོག་ནས་ཀྱང་། ཐུབ་པའི་རྒྱལ་ཚབ་ཀྱི་ཐོག་ནས་ཀྱང་།
ཐུབ་པའི་རྒྱལ་ཚབ་ཀྱི་ཐོག་ནས་ཀྱང་། ཐུབ་པའི་རྒྱལ་ཚབ་ཀྱི་ཐོག་ནས་ཀྱང་། ཐུབ་པའི་རྒྱལ་ཚབ་ཀྱི་ཐོག་ནས་ཀྱང་།
ཐུབ་པའི་རྒྱལ་ཚབ་ཀྱི་ཐོག་ནས་ཀྱང་། ཐུབ་པའི་རྒྱལ་ཚབ་ཀྱི་ཐོག་ནས་ཀྱང་། ཐུབ་པའི་རྒྱལ་ཚབ་ཀྱི་ཐོག་ནས་ཀྱང་།
ཐུབ་པའི་རྒྱལ་ཚབ་ཀྱི་ཐོག་ནས་ཀྱང་། ཐུབ་པའི་རྒྱལ་ཚབ་ཀྱི་ཐོག་ནས་ཀྱང་། ཐུབ་པའི་རྒྱལ་ཚབ་ཀྱི་ཐོག་ནས་ཀྱང་།

ꣳ ꣳ ꣳ

ཀུ ཁུ གུ ངུ ཅུ ཆུ ཇུ ཉུ ཏུ ཐུ དུ ནུ པུ ཕུ བུ མུ ཙུ ཚུ ཛུ ཝུ ཞུ ཟུ འུ ཡུ རུ ལུ ཤུ སུ ཧུ ཨུ

ཀཱུ ཁཱུ གཱུ ངཱུ ཅཱུ ཆཱུ ཇཱུ ཉཱུ ཏཱུ ཐཱུ དཱུ ནཱུ པཱུ ཕཱུ བཱུ མཱུ ཙཱུ ཚཱུ ཛཱུ ཝཱུ ཞཱུ ཟཱུ འཱུ ཡཱུ རཱུ ལཱུ ཤཱུ སཱུ ཧཱུ ཨཱུ

ཀྲཱུ ཁྲཱུ གྲཱུ ཏྲཱུ ཐྲཱུ དྲཱུ པྲཱུ ཕྲཱུ བྲཱུ མྲཱུ ཙྲཱུ ཚྲཱུ ཛྲཱུ ཤྲཱུ སྲཱུ ཧྲཱུ

ཀླཱུ གླཱུ བླཱུ ཟླཱུ རླཱུ སླཱུ

ཀྭཱུ ཁྭཱུ གྭཱུ ཅྭཱུ ཆྭཱུ ཇྭཱུ ཉྭཱུ ཏྭཱུ ཐྭཱུ དྭཱུ ནྭཱུ ཚྭཱུ ཛྭཱུ ཟྭཱུ རྭཱུ སྭཱུ ཧྭཱུ

ಸಂಪಾದಕರು: ಡಾ. ಎಂ. ಚಿದಾನಂದಮೂರ್ತಿ

ಪ್ರಕಾಶಕರು: ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ, ಬೆಂಗಳೂರು

ಮುದ್ರಣ: ೨೦೦೨ ಪ್ರತಿಗಳು

ಬೆಲೆ: ರೂ. ೭೫-೦೦

ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པའི་སྙིང་པོ་ཞེས་བྱ་བ་བཞུགས་སོ།།

ཨོཾ་སྭ་སྟི་ཨཱ་ཡུ་ཥྨཱན་ཝི་ཛ་ཡཾ་ཀ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏ་ཨཱ་ཏྨ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ས་མཾ་ཡོ་ག་ཏ་ཏྭཾ་ཨུ་པ་ནཱ་ཡ་ཏཱ་ཡཱ་ཡ་ཨ་ནཱ་ཝ་ར་ཎ་ཨ་ཀ་ཏྲི་མ་ཨ་ཀྲི་ཡཱ

ཤ་ཐབས།

ཀུ་ཀུ་ཀུ་

ꣳ ꣳ ꣳ

ལ་བ་ཐ་ཀུ་ལ་བ་ཐ་ཀི་ཤི་ཏེ་ཁེ་ཤེ་ཤ་ལ་བ་ཐ་ཀུ། ཐ་ཡི་པ་ཁ་ཤ་ཐ་ཀི་ཤི་ཏེ་ཁ་ཤ་ཐ་ཀུ། ཐ་ཡི་ཤི་ཏེ་ཁེ་ཤེ་
ཤ་ལ་བ་ཐ་ཀུ། ཤི་ཏེ་ཁ་ཤ་ཐ་ཀུ། ཐ་ཡི་ཤི་ཏེ་ཁ་ཤ་ཐ་ཀུ། ཐ་ཡི་ཤི་ཏེ་ཁ་ཤ་ཐ་ཀུ། ཐ་ཡི་ཤི་ཏེ་ཁ་ཤ་ཐ་ཀུ། ཐ་ཡི་
ཤི་ཏེ་ཁ་ཤ་ཐ་ཀུ། ཐ་ཡི་ཤི་ཏེ་ཁ་ཤ་ཐ་ཀུ། ཐ་ཡི་ཤི་ཏེ་ཁ་ཤ་ཐ་ཀུ། ཐ་ཡི་ཤི་ཏེ་ཁ་ཤ་ཐ་ཀུ། ཐ་ཡི་ཤི་ཏེ་ཁ་ཤ་ཐ་ཀུ།
ཐ་ཡི་ཤི་ཏེ་ཁ་ཤ་ཐ་ཀུ། ཐ་ཡི་ཤི་ཏེ་ཁ་ཤ་ཐ་ཀུ། ཐ་ཡི་ཤི་ཏེ་ཁ་ཤ་ཐ་ཀུ། ཐ་ཡི་ཤི་ཏེ་ཁ་ཤ་ཐ་ཀུ། ཐ་ཡི་ཤི་ཏེ་ཁ་ཤ་ཐ་ཀུ།

ཀ།

ꣳ ꣳ ꣳ

ॐ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय महाभैषज्यगुरवे तथागतायार्हते सम्यक्संबुद्धाय तद्यथा ओं शोधय शोधय सर्वपापं विशोधय विशोधय सर्वकर्मावरणं विशुद्धे विशुद्धे महाविशुद्धे महाविशुद्धे सर्वतथागतसमये अवबोधय अवबोधय सर्वतथागतहृदयाधिष्ठानाधिष्ठिते स्वाहा

ॐ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय महाभैषज्यगुरवे तथागतायार्हते सम्यक्संबुद्धाय तद्यथा ओं शोधय शोधय सर्वपापं विशोधय विशोधय सर्वकर्मावरणं विशुद्धे विशुद्धे महाविशुद्धे महाविशुद्धे सर्वतथागतसमये अवबोधय अवबोधय सर्वतथागतहृदयाधिष्ठानाधिष्ठिते स्वाहा

ॐ नमो भगवते वज्रसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकारुणिकाय महाभैषज्यगुरवे तथागतायार्हते सम्यक्संबुद्धाय तद्यथा ओं शोधय शोधय सर्वपापं विशोधय विशोधय सर्वकर्मावरणं विशुद्धे विशुद्धे महाविशुद्धे महाविशुद्धे सर्वतथागतसमये अवबोधय अवबोधय सर्वतथागतहृदयाधिष्ठानाधिष्ठिते स्वाहा

॥ ॥ ॥ 

ཤ་ཁ་ ཤ་ཁ་ ཤ་ཁ་

॥ ॥ ॥ 

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་སྨོན་ལམ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमः संकर्षणाय ॥ प्रद्युम्नाय ॥ अनिरुद्धाय ॥ नमो
नारायणाय ॥ श्रीमते नारायणाय ॥ पुरुषोत्तमाय ॥ सर्वात्मशक्तियुक्ताय ॥ अनन्ताय ॥
योगपीठात्मने ॥ नमः ॥ पीठोपपीठेभ्यो नमः ॥ उपपीठेभ्यो नमः ॥ आयुधेभ्यो नमः ॥
आयुधीभ्यो नमः ॥ सर्वेभ्यो नमः ॥ सर्वपरिवारेभ्यो नमः ॥ ॐ नमो भगवते

ಅಂಗಾರಕಧಾರಣಾಯೋಗಃ ಅಂಗಾರಕಸ್ಯ ಮಂಗಳಸ್ಯ ಧಾರಣಾಯೋಗಃ ಅಂಗಾರಕಸ್ಯ ಮಂಗಳಸ್ಯ ಧಾರಣಾಯೋಗಃ

ಅಂಗಾರಕಸ್ಯ ಮಂಗಳಸ್ಯ ಧಾರಣಾಯೋಗಃ ಅಂಗಾರಕಸ್ಯ ಮಂಗಳಸ್ಯ ಧಾರಣಾಯೋಗಃ

ಅಂಗಾರಕಸ್ಯ ಮಂಗಳಸ್ಯ ಧಾರಣಾಯೋಗಃ ಅಂಗಾರಕಸ್ಯ ಮಂಗಳಸ್ಯ ಧಾರಣಾಯೋಗಃ

ॐ नमो वीतरागाय नमो वीतरागाय नमो वीतरागाय ॥ ॐ ॥

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं सः यमुनादेव्यै नमः

यमुनादेवी चतुर्भुजा कृष्णवर्णा कूर्मवाहना त्रिभङ्गस्थानस्थिता
वामोर्ध्वहस्ते पद्मं वामाधःहस्ते वरदं दक्षिणोर्ध्वहस्ते कमण्डलुं
दक्षिणाधःहस्ते अक्षमालां धारयन्ती ध्यातव्या ॥

ॐ ह्रीं श्रीं यमुनादेव्यै नमः स्वाहा ॥

ཨོཾ ཨཱཿ ཧཱུྃ ཕཊ་ སྭཱཧཱ།

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ

ooooooo *

o ooooooooooooooooooooo oooo ooo ooooo ooooo oo ooo
ooooooo oooooooooooooooooooooooooooooooooooooooo
ooooooo oooooooooooooooooooooooooooooooooooooooo
ooooooo oooooooooooooooooooooooooooooooooooooooo

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨ་ཁ་ཅ་ཟ་ཏ་ན་པ་ཡ་ཤ་ཨ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨ་ཁ་ཅ་ཟ་ཏ་ན་པ་ཡ་ཤ་ཨ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨ་ཁ་ཅ་ཟ་ཏ་ན་པ་ཡ་ཤ་ཨ

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཡང་དག་པ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ།།

ཡང་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཡང་དག་པ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ།།

ཡང་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཡང་དག་པ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ།།

ཡང་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཡང་དག་པ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ།།

ཡང་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཡང་དག་པ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ།།

ཀཱཀཱཀཱ

ཀཀཀ

ooo ooo ooo

૦૦૦ ૦૦૦ ૦૦૦ 

૧૧ (૧૧૧

૦૦૦૦૦૦૦ ૦૦૦૦૦૦૦ ૦૦૦૦૦૦૦ 

0000000 0000000 0000000 

ಕಾಲಾಂತರದಲ್ಲಿ ಈ ಪ್ರಾಂತ್ಯವು ಕಲ್ಯಾಣಿಯ ಚಾಲುಕ್ಯರ ಆಳ್ವಿಕೆಗೆ ಒಳಪಟ್ಟಿತು. ಇವರ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಕೆಲವು ಕಾಲ ಇದು ಸ್ವತಂತ್ರ ಆಳ್ವಿಕೆಯಲ್ಲಿತ್

ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ལས་ཀྱང་། གཞན་ལས་ཁྱད་པར་དུ་འཕགས་པ་ཤེས་རབ་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་
ཡིས་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་རང་བཞིན་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཉིད་དུ་ཤེས་པ་ཡིན་ཏེ། ཡང་ཆོས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་

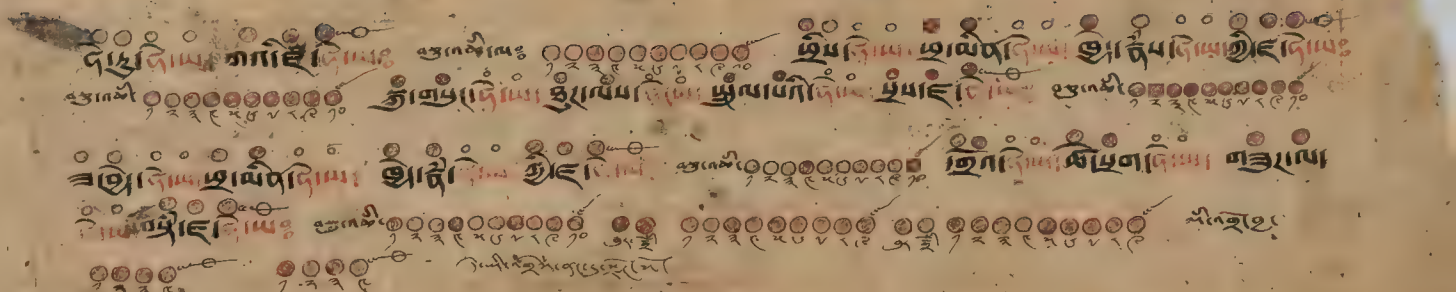

ཀུ། ། ཀུ། ། ཀུ། །

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་སུ་ཡང་།། ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་སུ་ཡང་།། ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་སུ་ཡང་།།

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་སུ་ཡང་།། ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་སུ་ཡང་།། ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་སུ་ཡང་།།

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་སུ་ཡང་།། ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་སུ་ཡང་།། ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་སུ་ཡང་།།

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་སུ་ཡང་།། ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་སུ་ཡང་།། ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་སུ་ཡང་།།

૦૦૦

ཨོཾ ཤྲཱི་ཨཱརྱ་ཨཱ་ལོ་ཀ་ནཱ་ཐ་ཧཱ་ཧཱ་ཧཱ

ooo ooo ooo

ཨཱཿ ཨཱཿ ཨཱཿ

ooooooooo ooooooooo ooooooooo ooooooooo ooooooooo ooooooooo ooooooooo ooooooooo ooooooooo

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ།

ཡབ་ཡུམ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་ཚུལ་ལོ།། ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་དང་གསང་སྔགས་ཀྱི་ཐེག་པ་ཆེན་པོའོ།།
ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཡང་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་
ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་
ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡང་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ནི་སྨོན་ལམ་ལས།
ཐུབ་པ་ཀུན་གྱི་ཡེ་ཤེས་ཀུན་ཏུ་འཇུག

ॐ नमः सिद्धेभ्यः सर्वसिद्धानामानमस्कारः ॐ नमो अर्हते केवलिने नमः ॐ नमो आचार्याय सर्वसूरिने नमः ॐ नमो उपाध्याय
नमः ॐ नमो लोए सव्वसाहूणं सर्वसाधुनामानमस्कारः ॐ एसो पंचनमुक्कारो सर्वपापप्रणाशनः ॐ मंगलाणं च सव्वेसिं
पढमं हवइ मंगलं ॐ ह्रीं श्रीं परमब्रह्मणे नमः ॐ ह्रीं श्रीं परमात्मने नमः ॐ ह्रीं श्रीं परंज्योतिषे नमः ॐ ह्रीं श्रीं
परमधाम्ने नमः ॐ ह्रीं श्रीं शाश्वताय नमः ॐ ह्रीं श्रीं नित्याय नमः ॐ ह्रीं श्रीं परमविदुषे नमः ॐ ह्रीं श्रीं
परमयोगिने नमः ॐ ह्रीं श्रीं परमेष्ठिने नमः ॐ ह्रीं श्रीं परमात्मने नमः ॐ ह्रीं श्रीं अनादिसिद्धाय नमः ॐ ह्रीं
श्रीं परमशुद्धाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं परमबुद्धाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं परमनिरञ्जनाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं परमतेजसे नमः

ચાલ્યા ચાલ્યા ચાલ્યા

ॐ ह्रीं श्रीमत्तीर्थंकरकायमोक्षगतिभ्यः निर्वृत्तिपदप्राप्तेभ्यः अक्षयपदावाप्तिभ्यः क्षीरवरीवदनोत्तमवचनेभ्यः
शुद्धपदवीदृष्टिपदप्राप्तेभ्यः शाश्वतसिद्धिपदप्राप्तेभ्यः अमोघवचनेभ्यः अमोघाज्ञेभ्यः
वर्धमानस्वामिने नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीमत्तीर्थंकरकायमोक्षगतिभ्यः निर्वृत्तिपदप्राप्तेभ्यः
अक्षयपदावाप्तिभ्यः क्षीरवरीवदनोत्तमवचनेभ्यः शुद्धपदवीदृष्टिपदप्राप्तेभ्यः शाश्वतसिद्धिपदप्राप्तेभ्यः
अमोघवचनेभ्यः अमोघाज्ञेभ्यः ऋषभस्वामिने नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीमत्तीर्थंकरकायमोक्षगतिभ्यः
निर्वृत्तिपदप्राप्तेभ्यः अक्षयपदावाप्तिभ्यः क्षीरवरीवदनोत्तमवचनेभ्यः शुद्धपदवीदृष्टिपदप्राप्तेभ्यः
शाश्वतसिद्धिपदप्राप्तेभ्यः अमोघवचनेभ्यः अमोघाज्ञेभ्यः अजितस्वामिने नमः ॥ ॐ ह्रीं
श्रीमत्तीर्थंकरकायमोक्षगतिभ्यः निर्वृत्तिपदप्राप्तेभ्यः अक्षयपदावाप्तिभ्यः क्षीरवरीवदनोत्तमवचनेभ्यः
शुद्धपदवीदृष्टिपदप्राप्तेभ्यः शाश्वतसिद्धिपदप्राप्तेभ्यः अमोघवचनेभ्यः अमोघाज्ञेभ्यः
संभवस्वामिने नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीमत्तीर्थंकरकायमोक्षगतिभ्यः निर्वृत्तिपदप्राप्तेभ्यः
अक्षयपदावाप्तिभ्यः क्षीरवरीवदनोत्तमवचनेभ्यः शुद्धपदवीदृष्टिपदप्राप्तेभ्यः शाश्वतसिद्धिपदप्राप्तेभ्यः
अमोघवचनेभ्यः अमोघाज्ञेभ्यः अभिनंदनस्वामिने नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीमत्तीर्थंकरकायमोक्षगतिभ्यः
निर्वृत्तिपदप्राप्तेभ्यः अक्षयपदावाप्तिभ्यः क्षीरवरीवदनोत्तमवचनेभ्यः शुद्धपदवीदृष्टिपदप्राप्तेभ्यः
शाश्वतसिद्धिपदप्राप्तेभ्यः अमोघवचनेभ्यः अमोघाज्ञेभ्यः सुमतिस्वामिने नमः ॥ ॐ ह्रीं
श्रीमत्तीर्थंकरकायमोक्षगतिभ्यः निर्वृत्तिपदप्राप्तेभ्यः अक्षयपदावाप्तिभ्यः क्षीरवरीवदनोत्तमवचनेभ्यः
शुद्धपदवीदृष्टिपदप्राप्तेभ्यः शाश्वतसिद्धिपदप्राप्तेभ्यः अमोघवचनेभ्यः अमोघाज्ञेभ्यः
पद्मप्रभस्वामिने नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीमत्तीर्थंकरकायमोक्षगतिभ्यः निर्वृत्तिपदप्राप्तेभ्यः
अक्षयपदावाप्तिभ्यः क्षीरवरीवदनोत्तमवचनेभ्यः शुद्धपदवीदृष्टिपदप्राप्तेभ्यः शाश्वतसिद्धिपदप्राप्तेभ्यः
अमोघवचनेभ्यः अमोघाज्ञेभ्यः सुपार्श्वस्वामिने नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीमत्तीर्थंकरकायमोक्षगतिभ्यः
निर्वृत्तिपदप्राप्तेभ्यः अक्षयपदावाप्तिभ्यः क्षीरवरीवदनोत्तमवचनेभ्यः शुद्धपदवीदृष्टिपदप्राप्तेभ्यः
शाश्वतसिद्धिपदप्राप्तेभ्यः अमोघवचनेभ्यः अमोघाज्ञेभ्यः चंद्रप्रभस्वामिने नमः ॥ ॐ ह्रीं
श्रीमत्तीर्थंकरकायमोक्षगतिभ्यः निर्वृत्तिपदप्राप्तेभ्यः अक्षयपदावाप्तिभ्यः क्षीरवरीवदनोत्तमवचनेभ्यः
शुद्धपदवीदृष्टिपदप्राप्तेभ्यः शाश्वतसिद्धिपदप्राप्तेभ्यः अमोघवचनेभ्यः अमोघाज्ञेभ्यः
सुविधिस्वामिने नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीमत्तीर्थंकरकायमोक्षगतिभ्यः निर्वृत्तिपदप्राप्तेभ्यः
अक्षयपदावाप्तिभ्यः क्षीरवरीवदनोत्तमवचनेभ्यः शुद्धपदवीदृष्टिपदप्राप्तेभ्यः शाश्वतसिद्धिपदप्राप्तेभ्यः
अमोघवचनेभ्यः अमोघाज्ञेभ्यः शीतलस्वामिने नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीमत्तीर्थंकरकायमोक्षगतिभ्यः
निर्वृत्तिपदप्राप्तेभ्यः अक्षयपदावाप्तिभ्यः क्षीरवरीवदनोत्तमवचनेभ्यः शुद्धपदवीदृष्टिपदप्राप्तेभ्यः
शाश्वतसिद्धिपदप्राप्तेभ्यः अमोघवचनेभ्यः अमोघाज्ञेभ्यः श्रेयांसस्वामिने नमः ॥ ॐ ह्रीं
श्रीमत्तीर्थंकरकायमोक्षगतिभ्यः निर्वृत्तिपदप्राप्तेभ्यः अक्षयपदावाप्तिभ्यः क्षीरवरीवदनोत्तमवचनेभ्यः
शुद्धपदवीदृष्टिपदप्राप्तेभ्यः शाश्वतसिद्धिपदप्राप्तेभ्यः अमोघवचनेभ्यः अमोघाज्ञेभ्यः
वासुपूज्यस्वामिने नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीमत्तीर्थंकरकायमोक्षगतिभ्यः निर्वृत्तिपदप्राप्तेभ्यः
अक्षयपदावाप्तिभ्यः क्षीरवरीवदनोत्तमवचनेभ्यः शुद्धपदवीदृष्टिपदप्राप्तेभ्यः शाश्वतसिद्धिपदप्राप्तेभ्यः
अमोघवचनेभ्यः अमोघाज्ञेभ्यः विमलस्वामिने नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीमत्तीर्थंकरकायमोक्षगतिभ्यः
निर्वृत्तिपदप्राप्तेभ्यः अक्षयपदावाप्तिभ्यः क्षीरवरीवदनोत्तमवचनेभ्यः शुद्धपदवीदृष्टिपदप्राप्तेभ्यः
शाश्वतसिद्धिपदप्राप्तेभ्यः अमोघवचनेभ्यः अमोघाज्ञेभ्यः अनंतस्वामिने नमः ॥ ॐ ह्रीं
श्रीमत्तीर्थंकरकायमोक्षगतिभ्यः निर्वृत्तिपदप्राप्तेभ्यः अक्षयपदावाप्तिभ्यः क्षीरवरीवदनोत्तमवचनेभ्यः
शुद्धपदवीदृष्टिपदप्राप्तेभ्यः शाश्वतसिद्धिपदप्राप्तेभ्यः अमोघवचनेभ्यः अमोघाज्ञेभ्यः
धर्मस्वामिने नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीमत्तीर्थंकरकायमोक्षगतिभ्यः निर्वृत्तिपदप्राप्तेभ्यः
अक्षयपदावाप्तिभ्यः क्षीरवरीवदनोत्तमवचनेभ्यः शुद्धपदवीदृष्टिपदप्राप्तेभ्यः शाश्वतसिद्धिपदप्राप्तेभ्यः
अमोघवचनेभ्यः अमोघाज्ञेभ्यः शांतिस्वामिने नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीमत्तीर्थंकरकायमोक्षगतिभ्यः
निर्वृत्तिपदप्राप्तेभ्यः अक्षयपदावाप्तिभ्यः क्षीरवरीवदनोत्तमवचनेभ्यः शुद्धपदवीदृष्टिपदप्राप्तेभ्यः
शाश्वतसिद्धिपदप्राप्तेभ्यः अमोघवचनेभ्यः अमोघाज्ञेभ्यः कुंथुस्वामिने नमः ॥ ॐ ह्रीं
श्रीमत्तीर्थंकरकायमोक्षगतिभ्यः निर्वृत्तिपदप्राप्तेभ्यः अक्षयपदावाप्तिभ्यः क्षीरवरीवदनोत्तमवचनेभ्यः
शुद्धपदवीदृष्टिपदप्राप्तेभ्यः शाश्वतसिद्धिपदप्राप्तेभ्यः अमोघवचनेभ्यः अमोघाज्ञेभ्यः
अरस्वामिने नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीमत्तीर्थंकरकायमोक्षगतिभ्यः निर्वृत्तिपदप्राप्तेभ्यः
अक्षयपदावाप्तिभ्यः क्षीरवरीवदनोत्तमवचनेभ्यः शुद्धपदवीदृष्टिपदप्राप्तेभ्यः शाश्वतसिद्धिपदप्राप्तेभ्यः
अमोघवचनेभ्यः अमोघाज्ञेभ्यः मल्लिस्वामिने नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीमत्तीर्थंकरकायमोक्षगतिभ्यः
निर्वृत्तिपदप्राप्तेभ्यः अक्षयपदावाप्तिभ्यः क्षीरवरीवदनोत्तमवचनेभ्यः शुद्धपदवीदृष्टिपदप्राप्तेभ्यः
शाश्वतसिद्धिपदप्राप्तेभ्यः अमोघवचनेभ्यः अमोघाज्ञेभ्यः मुनिसुव्रतस्वामिने नमः ॥ ॐ ह्रीं
श्रीमत्तीर्थंकरकायमोक्षगतिभ्यः निर्वृत्तिपदप्राप्तेभ्यः अक्षयपदावाप्तिभ्यः क्षीरवरीवदनोत्तमवचनेभ्यः
शुद्धपदवीदृष्टिपदप्राप्तेभ्यः शाश्वतसिद्धिपदप्राप्तेभ्यः अमोघवचनेभ्यः अमोघाज्ञेभ्यः
नमिस्वामिने नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीमत्तीर्थंकरकायमोक्षगतिभ्यः निर्वृत्तिपदप्राप्तेभ्यः
अक्षयपदावाप्तिभ्यः क्षीरवरीवदनोत्तमवचनेभ्यः शुद्धपदवीदृष्टिपदप्राप्तेभ्यः शाश्वतसिद्धिपदप्राप्तेभ्यः
अमोघवचनेभ्यः अमोघाज्ञेभ्यः नेमिस्वामिने नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीमत्तीर्थंकरकायमोक्षगतिभ्यः
निर्वृत्तिपदप्राप्तेभ्यः अक्षयपदावाप्तिभ्यः क्षीरवरीवदनोत्तमवचनेभ्यः शुद्धपदवीदृष्टिपदप्राप्तेभ्यः
शाश्वतसिद्धिपदप्राप्तेभ्यः अमोघवचनेभ्यः अमोघाज्ञेभ्यः पार्श्वस्वामिने नमः ॥ ॐ ह्रीं
श्रीमत्तीर्थंकरकायमोक्षगतिभ्यः निर्वृत्तिपदप्राप्तेभ्यः अक्षयपदावाप्तिभ्यः क्षीरवरीवदनोत्तमवचनेभ्यः
शुद्धपदवीदृष्टिपदप्राप्तेभ्यः शाश्वतसिद्धिपदप्राप्तेभ्यः अमोघवचनेभ्यः अमोघाज्ञेभ्यः
वर्धमानस्वामिने नमः ॥

ཐུབ། ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ་ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ། ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ་ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ། ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ་ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ།
ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ་ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ། ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ་ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ། ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ་ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ།
ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ་ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ། ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ་ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ། ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ་ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ།
ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ་ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ། ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ་ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ། ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ་ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ།
ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ་ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ། ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ་ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ། ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ་ཐུབ་པའི་ཐུབ་པ།

ཀྱི་ཚིག་ལས་ཀྱང་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱི་ཚིག་ཏུ་ཡང་ཡོད་པས

ଓଁ ଶ୍ରୀ ଗଣେଶାୟ ନମଃ ଅଥ ଶ୍ରୀ ଦୁର୍ଗାସପ୍ତଶତୀ ପ୍ରାରମ୍ଭଃ ଅସ୍ୟ ଶ୍ରୀ ଦୁର୍ଗାସପ୍ତଶତୀ ମହାମନ୍ତ୍ରସ୍ୟ ଦୁର୍ଗା ଋଷିଃ ଅନୁଷ୍ଟୁପ୍ ଛନ୍ଦଃ ଶ୍ରୀ ମହାକାଳୀ ମହାଲକ୍ଷ୍ମୀ ମହାସରସ୍ୱତ୍ୟୋ ଦେବତାଃ ଶ୍ରୀ ଦୁର୍ଗା ପ୍ରସାଦ ସିଦ୍ଧ୍ୟର୍ଥେ ଜପେ ବିନିୟୋଗଃ ଓଁ ଜ୍ଞାନିନାମପି ଚେତାଂସି ଦେବୀ ଭଗବତୀ ହି ସା ବଳାଦାକୃଷ୍ୟ ମୋହାୟ ମହାମାୟା ପ୍ରଯଚ୍ଛତି ତଥା ଚାଷ୍ଟଭୁଜା ଦେବୀ ସର୍ବାଭୟକରୀ ଶୁଭା ଦଦାତି ଦେବୀ ପୁତ୍ରେଭ୍ୟୋ ଦୁଃଖଭୋଗାୟ ତାମପି ଦୁର୍ଗାଂ ଦୁର୍ଗାର୍ତିହନ୍ତ୍ରୀଂ ତ୍ରିନେତ୍ରାଂ ଦଶବାହୁଭୁଜାଂ ସର୍ବାଭରଣଭୂଷିତାଂ ଦିବ୍ୟାଂ ଦିବ୍ୟାୟୁଧୋପେତାଂ ଦିବ୍ୟଗନ୍ଧାନୁଲେପନାଂ ଦିବ୍ୟାମ୍ବରପରିଧାନାଂ ଦିବ୍ୟ

॥ ००००००००० ००००००००० ००००००००० ॥

ཀཱཡཱ་ཝཱཀ་ཙིཏྟཱ་ཏྨ་ཀཱ་ཡ

ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཙཱ་ཧཱ་

ཀྱི་ཡུལ་ལས་ཀྱང་ཡང་ཞིང་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཡིན་ཏེ། ཁོ་བོ་ཅག་གི་ཡུལ་ཀྱང་དེ་ལྟ་བུ་ཡིན་ནོ། །ཁོ་བོ་ཅག་གི་ཡུལ་ཀྱང་ཡང་ཞིང་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཡིན་ཏེ། ཁོ་བོ་ཅག་གི་ཡུལ་ཀྱང་དེ་ལྟ་བུ་ཡིན་ནོ། །ཁོ་བོ་ཅག་གི་ཡུལ་ཀྱང་ཡང་ཞིང་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཡིན་ཏེ། ཁོ་བོ་ཅག་གི་ཡུལ་ཀྱང་དེ་ལྟ་བུ་ཡིན་ནོ། །ཁོ་བོ་ཅག་གི་ཡུལ་ཀྱང་ཡང་ཞིང་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཡིན་ཏེ། ཁོ་བོ་ཅག་གི་ཡུལ་ཀྱང་དེ་ལྟ་བུ་ཡིན་ནོ། །ཁོ་བོ་ཅག་གི་ཡུལ་ཀྱང་ཡང་ཞིང་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཡིན་ཏེ། ཁོ་བོ་ཅག་གི་ཡུལ་ཀྱང་དེ་ལྟ་བུ་ཡིན་ནོ། །ཁོ་བོ་ཅག་གི་ཡུལ་ཀྱང་ཡང་ཞིང་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཡིན་ཏེ། ཁོ་བོ་ཅག་གི་ཡུལ་ཀྱང་དེ་ལྟ་བུ་ཡིན་ནོ། །

ଜଗତ୍ପତିନାରାୟଣଦେବଃ ଶ୍ରୀମାତ୍ରେଶ୍ୱରୀଛତ୍ରନାରାୟଣଦେବଃ ଶ୍ରୀମତ୍ପୁରୁଷୋତ୍ତମନାରାୟଣଦେବଃ ବାଗୀଶ୍ୱରୀନାରାୟଣଦେବଃ
ନରେନ୍ଦ୍ରଦେବଃ ଶ୍ରୀମତ୍ପ୍ରତାପରୁଦ୍ରଦେବଃ ମହାରାଜାଧିରାଜଶ୍ରୀମତ୍ପୁରୁଷୋତ୍ତମଦେବଃ ପୁତ୍ରଶ୍ରୀମତ୍ପ୍ରତାପରୁଦ୍ରଦେବଃ
ପ୍ରୀତୟେ ଶ୍ରୀମତ୍ପୁରୁଷୋତ୍ତମଦେବଚରଣାମ୍ବୁଜଭୃଙ୍ଗାୟମାନଃ ଶ୍ରୀମତ୍ପ୍ରତାପରୁଦ୍ରଦେବଃ ଶ୍ରୀମତ୍ପୁରୁଷୋତ୍ତମଦେବଚରଣାମ୍ବୁଜଭୃଙ୍ଗାୟମାନଃ କଳିଙ୍ଗ
ଦେଶାଧିପତିଃ ଶ୍ରୀମତ୍ପୁରୁଷୋତ୍ତମଦେବଃ ଶ୍ରୀମତ୍ପୁରୁଷୋତ୍ତମଦେବଚରଣାମ୍ବୁଜଭୃଙ୍ଗାୟମାନଃ ଶ୍ରୀମତ୍ପ୍ରତାପରୁଦ୍ରଦେବଃ ଶ୍ରୀମତ୍ପୁରୁଷୋତ୍ତମ
ଦେବଚରଣାମ୍ବୁଜଭୃଙ୍ଗାୟମାନଃ ଶ୍ରୀମତ୍ପ୍ରତାପରୁଦ୍ରଦେବଃ ଶ୍ରୀମତ୍ପୁରୁଷୋତ୍ତମଦେବଚରଣାମ୍ବୁଜଭୃଙ୍ଗାୟମାନଃ ଶ୍ରୀମତ୍ପ୍ରତାପରୁଦ୍ରଦେବଃ
ଶ୍ରୀମତ୍ପୁରୁଷୋତ୍ତମଦେବଚରଣାମ୍ବୁଜଭୃଙ୍ଗାୟମାନଃ ଶ୍ରୀମତ୍ପ୍ରତାପରୁଦ୍ରଦେବଃ ଶ୍ରୀମତ୍ପୁରୁଷୋତ୍ତମଦେବଚରଣାମ୍ବୁଜଭୃଙ୍ଗାୟମାନଃ ଶ୍ରୀମତ୍ପ୍ରତାପରୁଦ୍ରଦେବଃ

ಕೊಪ್ಪಳದ ಶ್ರೀ ಗವಿಸಿದ್ಧೇಶ್ವರ ಮಹಾರಥೋತ್ಸವ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಜಾತ್ರೆಗೆ ಬರುವ ಭಕ್ತಾದಿಗಳಿಗೆ ಅನುಕೂಲವಾಗುವಂತೆ ಕೊಪ್ಪಳ ಮತ್ತು ಗಂಗಾವತಿ ಮಾರ್ಗವಾಗಿ ಹೊರಡಿಸಲಾಗಿರುವ ವಿಶೇಷ ಬಸ್ಸುಗಳ ವಿವರ ಈ ಕೆಳಗಿನಂತಿದೆ.

ಕೊಪ್ಪಳ ಬಸ್ ನಿಲ್ದಾಣದಿಂದ ಗಂಗಾವತಿ ಮಾರ್ಗವಾಗಿ ಹೊರಡುವ ಬಸ್ಸುಗಳು

ಕೊಪ್ಪಳ ಬಸ್ ನಿಲ್ದಾಣದಿಂದ ಗಂಗಾವತಿ ಮಾರ್ಗವಾಗಿ ಹಿರೇಸಿಂದೋಗಿ ಕ್ರಾಸ್‌ವರೆಗೆ ಹೊರಡುವ ಬಸ್ಸುಗಳು

ಕೊಪ್ಪಳ ಬಸ್ ನಿಲ್ದಾಣದಿಂದ ಗಂಗಾವತಿ ಮಾರ್ಗವಾಗಿ ಹಿರೇಸಿಂದೋಗಿ ಕ್ರಾಸ್‌ವರೆಗೆ ಹೊರಡುವ ಬಸ್ಸುಗಳು

ಕೊಪ್ಪಳ ಬಸ್ ನಿಲ್ದಾಣದಿಂದ ಗಂಗಾವತಿ ಮಾರ್ಗವಾಗಿ ಹಿರೇಸಿಂದೋಗಿ ಕ್ರಾಸ್‌ವರೆಗೆ ಹೊರಡುವ ಬಸ್ಸುಗಳು

ಕೊಪ್ಪಳ ಬಸ್ ನಿಲ್ದಾಣದಿಂದ ಗಂಗಾವತಿ ಮಾರ್ಗವಾಗಿ ಹಿರೇಸಿಂದೋಗಿ ಕ್ರಾಸ್‌ವರೆಗೆ ಹೊರಡುವ ಬಸ್ಸುಗಳು

ಕೊಪ್ಪಳ ಬಸ್ ನಿಲ್ದಾಣದಿಂದ ಗಂಗಾವತಿ ಮಾರ್ಗವಾಗಿ ಹಿರೇಸಿಂದೋಗಿ ಕ್ರಾಸ್‌ವರೆಗೆ ಹೊರಡುವ ಬಸ್ಸುಗಳು

ಕೊಪ್ಪಳ ಬಸ್ ನಿಲ್ದಾಣದಿಂದ ಗಂಗಾವತಿ ಮಾರ್ಗವಾಗಿ ಹಿರೇಸಿಂದೋಗಿ ಕ್ರಾಸ್‌ವರೆಗೆ ಹೊರಡುವ ಬಸ್ಸುಗಳು

ಕೊಪ್ಪಳ ಬಸ್ ನಿಲ್ದಾಣದಿಂದ ಗಂಗಾವತಿ ಮಾರ್ಗವಾಗಿ ಹಿರೇಸಿಂದೋಗಿ ಕ್ರಾಸ್‌ವರೆಗೆ ಹೊರಡುವ ಬಸ್ಸುಗಳು

ಕೊಪ್ಪಳ ಬಸ್ ನಿಲ್ದಾಣದಿಂದ ಗಂಗಾವತಿ ಮಾರ್ಗವಾಗಿ ಹಿರೇಸಿಂದೋಗಿ ಕ್ರಾಸ್‌ವರೆಗೆ ಹೊರಡುವ ಬಸ್ಸುಗಳು

oooooo

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः संकर्षणाय प्रद्युम्नाय अनिरुद्धाय नमो नारायणाय नमो हृषीकेशाय सर्वेन्द्रियाधिष्ठात्रे नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः संकर्षणाय प्रद्युम्नाय अनिरुद्धाय नमो नारायणाय नमो हृषीकेशाय सर्वेन्द्रियाधिष्ठात्रे नमः

ཀཱཡཱ་ཝཱཀ་ཙིཏྟ་ཨ་ཏི་ཀྲ་མ་ཀཱ་

ಕಾಲಾಂತರದಲ್ಲಿ ಕಾಲಾಂತರದಲ್ಲಿ ಕಾಲಾಂತರದಲ್ಲಿ

ཡ་ཏི།། དཀྱུ་ཏྲ་ཡ་པ་རི་ཧ་རྟ་ཏྲ་ཡ་ཀ་ཡ་ལ་ཤི་ཏི་ཀ་ཏ་ཡ། ལ་ཧ་ཡ་ལ་ཧ་ཏི་ཀ་ཡ་ལ་ཧ་ཡ་ཏ་ཡ་ལ་ཡ་ལ་ཡ།
པ། ཏི་ཡ་ཏི་ཏི་ཀ་ཡ་ཏི་ཏ་ཡ་ཏི་ཡ་ཏ་ཡ།། ཏ་ཏི་ཡ་ཏ་ཡ།། ཏ་ཏི་ཡ་ཏ་ཏི་ཡ་ཡ་ཏི་ཡ་ཏ་ཡ། ཡ།
ཡ་ཏ་ཡ་ཡ་ཡ་ཏ་ཡ་ཏ་ཡ་ཏ

ཀཀ། བཅོམ་ལྡན་འདས་ཀྱིས་ཇི་སྐད་དུ་བཀའ་སྩལ་པ་བཞིན་དུ་ཡང་དག་པར་ཤེས་ཏེ། ཡང་དག་པར་ཤེས་ནས་ཀྱང་ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་ཞི་བ་ཉིད་དུ་ཡོངས་སུ་ཤེས་ཏེ།
ཀཁ། ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་ཞི་བ་ཉིད་དུ་ཡོངས་སུ་ཤེས་ནས་ཀྱང་ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་ཞི་བ་ཉིད་དུ་ཡོངས་སུ་ཤེས་ཏེ། ཡང་དག་པར་ཞི་བ་ཉིད་དུ་ཡོངས་སུ་ཤེས་ནས་ཀྱང་
ཀགཀ། ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་ཞི་བ་ཉིད་དུ་ཡོངས་སུ་ཤེས་ནས་ཀྱང་ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་ཞི་བ་ཉིད་དུ་ཡོངས་སུ་ཤེས་ཏེ། ཡང་དག་པར་ཞི་བ་ཉིད་དུ་ཡོངས་སུ་ཤེས་ནས་ཀྱང་
ཀགཁ། ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་ཞི་བ་ཉིད་དུ་ཡོངས་སུ་ཤེས་ནས་ཀྱང་ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་ཞི་བ་ཉིད་དུ་ཡོངས་སུ་ཤེས་ཏེ། ཡང་དག་པར་ཞི་བ་ཉིད་དུ་ཡོངས་སུ་ཤེས་ནས་ཀྱང་

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ

ཧཱུྃ ཧཱུྃ ཧཱུྃ ཨོཾ ཨཱཿ ཧཱུྃ ཨ་ཏི་ཤ་ཡ་ཛྙཱ་ན་ཝ་ཛྲ་ཨཱ་ཏ་ཀ་ཛ

ཐོག་ཏུ་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱིལ་འཁོར་ཡོད་པ་ལས་ཤིན་ཏུ་ཡང་དག་པ་ཡིན་ཏེ་ཐོག་ཏུ་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱིལ་འཁོར་ཡོད་པ་ལས་ཤིན་ཏུ་ཡང་དག་པ་ཡིན་ཏེ་

ཐོག་ཏུ་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱིལ་འཁོར་ཡོད་པ་ལས་ཤིན་ཏུ་ཡང་དག་པ་ཡིན་ཏེ་ཐོག་ཏུ་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱིལ་འཁོར་ཡོད་པ་ལས་ཤིན་ཏུ་ཡང་དག་པ་ཡིན་ཏེ་

ཐོག་ཏུ་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱིལ་འཁོར་ཡོད་པ་ལས་ཤིན་ཏུ་ཡང་དག་པ་ཡིན་ཏེ་ཐོག་ཏུ་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཁྱིལ་འཁོར་ཡོད་པ་ལས་ཤིན་ཏུ་ཡང་དག་པ་ཡིན་ཏེ་

ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏྟེ་ཧི་ཡཾ་ཏེ་ཛོ་ཏེ་ཛོ

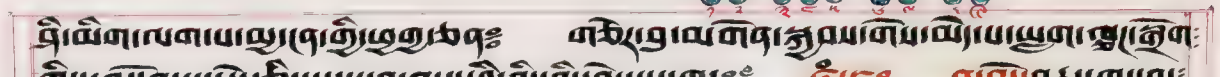

ཨོཾ་ ཨཱཿཧཱུྃ་ཁཱ་ཧཱ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཀ་ཡ་ཛྲ་ཨཱཿ ཀཱ་ཡ་ཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཁཱ་ཧཱ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཀ་ཡ་ཛྲ་ཨཱཿ
ཀཱ་ཡ་ཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཁཱ་ཧཱ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཀ་ཡ་ཛྲ་ཨཱཿ ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཀ་ཡ་ཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཁཱ་ཧཱ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཀ་ཡ་ཛྲ་ཨཱཿ ཀཱ་ཡ་ཛྲ་ཨཱཿ
ཧཱུྃ་ཁཱ་ཧཱ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཀ་ཡ་ཛྲ་ཨཱཿ ཀཱ་ཡ་ཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཁཱ་ཧཱ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཀ་ཡ་ཛྲ་ཨཱཿ ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཀ་ཡ་ཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཁཱ་ཧཱ་
ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཀ་ཡ་ཛྲ་ཨཱཿ ཀཱ་ཡ་ཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཁཱ་ཧཱ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཀ་ཡ་ཛྲ་ཨཱཿ ཀཱ་ཡ་ཛྲ་ཨཱཿ
ཧཱུྃ་ཁཱ་ཧཱ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཀ་ཡ་ཛྲ་ཨཱཿ ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཀ་ཡ་ཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཁཱ་ཧཱ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཀ་ཡ་ཛྲ་ཨཱཿ
ཀཱ་ཡ་ཛྲ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཁཱ་ཧཱ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཀ་ཡ་ཛྲ་ཨཱཿ ཀཱ་ཡ་ཛྲ་ཨཱཿ

ཏིག་འདྲ་བའི་ཐིག་ལེ། ཡུག་གཅིག་པའི་ཐིག་འདྲ་ཆེ་བའི། ཐུགས་ཀར་ཡིག་ཆུང་ཐིག་
ལེ་ཅན། ཐུགས་ཀའི་ཐིག་ལེ་ལས་ཐིག་ལེ་ཕྲ་བ་ཞིག་ཏུ་ཐིག་ལེ་ཅན་ཡིག་ཆུང་ཐིག་ལེ་ཅན་

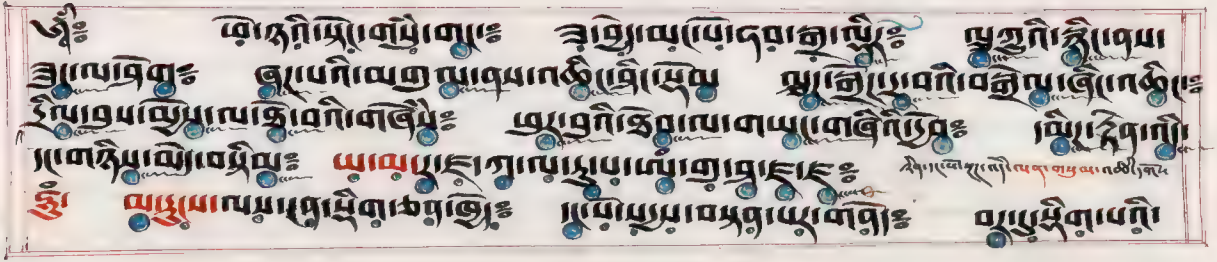

ཨཱཿ ཧཱུྃ ཝཾ ཧོཿ

ཀཱཾ། བཛྲཱཡཱ་ཀཱཾ་ཀཱཾ་

ཀྱིས་ཀྱི་ཡིས་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཡིས། ཞི་པའི་བཤད་པའི་ཐུགས་ཀྱི་ཡིས། ལེགས་བཤད་བཤད་པའི་ཐུགས་ཀྱི་ཡིས།
ཕྱག་གིས་བཤད་པའི་ཐུགས་ཀྱི་ཡིས། ◆ ཡུལ་བཤད་པའི་ཐུགས་ཀྱི་ཡིས། བཤད་པའི་བཤད་པ་
པའི་ཐུགས་ཀྱི་ཡིས། ཞལ་གྱིས་བཤད་ཅིང་ཞེས་པའི་ཐུགས་ཀྱི་ཡིས། རྟག་ཏུ་བཤད་ཅིང་ཞེས་པའི་ཐུགས་ཀྱི་ཡིས། ◆
ལག་ཏུ་བཤད་ཅིང་ཞེས་པའི་ཐུགས་ཀྱི་ཡིས། ཡིག་ཆེས་བཤད་པའི་ཐུགས་ཀྱི་ཡིས། ཕྱི་ནས་བཤད་པའི་ཐུགས་ཀྱི་ཡིས།
ཅན་ཏེ། ཞལ་གྱི་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོའི་ཐུགས་ཀྱི་ཡིས།

ॐ

ནམ་མཁའ་ཁྱབ་པའི་ཚེ། ཐོག་མེད་ནས་ཀྱེ་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཡི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡི་ཚེ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཐབས་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཡི་ཚེ། ཐབས་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་སྨོན་ལམ་གྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཡི་ཚེ། སྨོན་ལམ་གྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་སྟོབས་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཡི་ཚེ། སྟོབས་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཡི་ཚེ།

ཐོག་མའི་ཤོག་ངོ་ ། ཀ ། ཤོག་གྲངས་ ། ཀ །

ཀྱེ་ཧེ་བཛྲ་ཀ་ཡ་ཀ་ཡ་ཀ་ཡ

ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཙཱ་ཧྲྀ་ཏ་

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཕཊ་

oooooo

ooooo ooooo ooooooo ooooooo oo

000 000 000 

ཀཱ་ཏན་ཏྲ་ ཀ

ಶ್ರೀಮದ್ಭಾಗವತ ೨೧ ಸ್ಕಂಧ

0000000000

ચિત્રપટ્ટ ૦૦૦

ꠀꠀꠀ

ઉપદેશમાલા ગાથા ૧૪૨ થી ૧૪૫

ઉપદેશમાલા ગાથા ૧૪૨ થી ૧૪૫

ઉપદેશમાલા ગાથા ૧૪૨ થી ૧૪૫

ઓમ્ ઓમ્ ઓમ્

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་

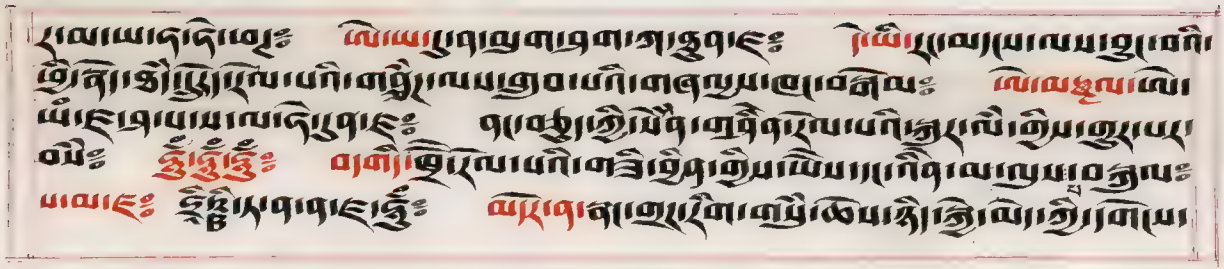

ཀཱཾ། བཱཾ་ཏེ་ལ་ཏེ་ཀ་ཏེ་ལ་ཏེ་ཀ་ཏེ་ལ་ཏེ་ཀ

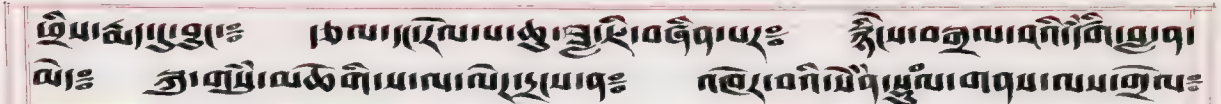

ཨོཾ་ ཐོག་མནའ་ཀྱི་མཐའ་དག་ཏུ་ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཉིད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡིན་ཏེ་ཐོག་མ་ཡང

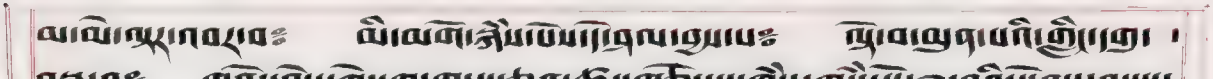

ཀཱུཾཿ ཨིཏྱཱཏྨཱནཾ ཨཱཀཱཤཱཡཱཡཱཡ

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ། ཡི་གེ་ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཡིག་ཏུ་གྱུར་པ་ལས་ཐུགས་ཀྱི་

ཨོཾ། ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཁྱབ་བདག་པོ། །
ཤཱཀྱ་ཐུབ་པ་ཉིད་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ། །
ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། །
ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། །
ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། །
ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། །
ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། །
ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། །

ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཙཱ་མ་ནོ་ཛ་ཡ་ཏུ་ཏ་ཐཱ་ཨ་ཧཾ་ཨ་

ཀཱཾ། ཀཱཾ། ཀཱཾ།

ཀཱ་ཡཱ་ཝཱ་ཧཱ་ཡཱ་

ཨོཾ་ བཛྲཱ་ཡཱ་ཡུ་ཥེ་ཡཱ་ཧཱ་ ཨཱ་ཡུ་ཥྱཾ་ ཨཱ་ཡུ་ཥྱཾ་ ཨཱ་ཡུ་ཥྱཾ

ॐ अमोघपाशाङ्कुशधरायै स्वाहा ॥

ज्ञानमुद्रायै नमः ज्ञानमुद्रायै नमः पद्मवीणायै नमः पद्मवीणायै नमः

ज्ञानमुद्रायै नमः ज्ञानमुद्रायै नमः पुस्तकधारिण्यै नमः पुस्तकधारिण्यै नमः

ཨོཾ། ཀཱ་ཡ་ཝཱཀ་ཙི་ཏྟཱ། ཧཱཾཿ ཐུགས་ཀཱ་རྡོ་རྗེ་ལྟེ་བཱ་ཡི་རྡོ་རྗེ་ཀཱ་ཡ་ཝཱཀ་
ཙི་ཏྟཱ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཀཱ་ཡ་ཝཱཀ་ཙི་ཏྟཱ་ཨཱཿཧཱུྃ། ཀཱ་ཡ་ཝཱཀ་ཙི་ཏྟཱ་ཨཱཿཧཱུྃ།

ཚེ་དཔག་མེད་ཀྱི་ཞིང་བཀོད་པ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ།

ཨོཾ་སྭསྟི། ཇི་ལྟར་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡོད་པ་དེ་བཞིན་དུ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡོད་པ་དེ་བཞིན་དུ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་སྐུ་གསུང་ཐུགས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཡོད་པ་དེ་བཞིན་དུ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཐམས་ཅད

ཨོཾ་ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ས་མ་ཀ་ར་ཛ་ཧཱ་ཏ་ཀ་ཨ་ཀ་ཤ

ཐོག་ཏུ་ཡི་གེ་ཚོ་ལ་ཐུགས་ཀ་ཉམས་ཏེ་ལས་ཀ་བྱེད་པ་ ।

ཀཱ། ཀཱ། ཀཱ།

།།ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་སུ་ཡང་དག་པར་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ། །ཡང་དག་པར་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་སུ་ཡང་དག་པར་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ། །ཡང་དག་པར་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་སུ་ཡང་དག་པར་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ། །ཡང་དག་པར་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་སུ་ཡང་དག་པར་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ། །ཡང་དག་པར་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་སུ་ཡང་དག་པར་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ། །ཡང་དག་པར་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་སུ་ཡང་དག་པར་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ། །ཡང་དག་པར་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་སུ་ཡང་དག་པར་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ། །ཡང་དག་པར་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་སུ་ཡང་དག་པར་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ། །ཡང་དག་པར་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་སུ་ཡང་དག་པར་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ། །ཡང་དག་པར་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་སུ་ཡང་དག་པར་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ།

ཀཀཀ། ཨཨཨ

ལྷ་ཡི་ཚོགས་ཀྱིས་བསྐོར་ཞིང་བསྟོད་པ་དང་། ཐུབ་པའི་དབང་པོ་ཤཱཀྱ་ཐུབ་པ་ཡི་ཞབས་ཀྱི་པད་མོ་ལ་ཕྱག་བྱས་ཏེ་ཞེས་བྱ་བ་ནས་

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ལོ། །ཐུབ་པ་ཆེན་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡུལ་ཡོན་ཏན་གྱི་རྒྱ་མཚ

ཀཀཀ

ཀཱཾ ཀཱཾ ཀཱཾ

ཀུ་ཀུ་ཊེ་ཤྭ་ར་ཡ།

ཀུན་ཏུ་སྤྱོད་པ་ཡི་སྨོན་ལམ་ཁྱད་པར་ཅན་ཏེ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་སོགས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཚིག་ཏུ་བྱ་བ་ཡིན་ནོ།།
ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཚིག་ཏུ་བྱ་བ་ཡིན་ནོ།།
ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཚིག་ཏུ་བྱ་བ་ཡིན་ནོ།།
ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཚིག་ཏུ་བྱ་བ་ཡིན་ནོ།།
ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཚིག་ཏུ་བྱ་བ་ཡིན་ནོ།།
ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཚིག་ཏུ་བྱ་བ་ཡིན་ནོ།།

ཀཱཡཱ་ཝཱཙཱ་མནསཱ་ཡཏ་ཀིཉྩི་ཀུསལཾ་ཀརོམི། ཏཏ་སབྦཾ་ཨཱཡཏིཾ་ཡེ་ཝཱ་ཏེ་ཀེཙི་ཨནྟརཱཡཀཱ་ཧོནྟུ། ཨཱཡུ་ཝཱ་ཏེ་ཀེཙི་ཨནྟརཱཡཀཱ་ཧོནྟུ། ཝཎྞཱ་ཝཱ་ཏེ་ཀེཙི་ཨནྟརཱཡཀཱ་ཧོནྟུ། སུཁཾ་ཝཱ་ཏེ་ཀེཙི་ཨནྟརཱཡཀཱ་ཧོནྟུ། བལཾ་ཝཱ་ཏེ་ཀེཙི་ཨནྟརཱཡཀཱ་ཧོནྟུ། ཨཱརོགྱཾ་ཝཱ་ཏེ་ཀེཙི་ཨནྟརཱཡཀཱ་ཧོནྟུ། ཨཱཡུ་ཝཎྞཱ་སུཁཾ་བལཾ་

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཧཱུྃ་ཧཱུྃ་

ཡིན་ཏེ། ཁྱོད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཡིད་ཀྱི་ཤེས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཡུལ་ཅན་

ཀཱ་ཀཱ་ཀཱ་

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ། བཛྲ་ཨ་ཀ་ཤ་ཀ་ཛ་ཀ་ཛ་ཀ་ཛ

ཡང་ཁ་ཅིག་ཏུ་ཡང་ཡོད་ཀྱི་ཡིན་ནོ།།

ཡང་ཁ་ཅིག་ཏུ་ཡང་ཡོད་ཀྱི་ཡིན་ནོ།།

ཡང་ཁ་ཅིག་ཏུ་ཡང་ཡོད་ཀྱི་ཡིན་ནོ།།

卐 ०ॐ